संगीत पद्धति

हमारे देश में संगीत की दो पद्धतियां मानी जाती हैं। (1) दक्षिणी (कर्नाटकी) संगीत पद्धति (2) उत्तरी संगीत पद्धति, जिसे हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति भी कहा जाता है। दक्षिणी संगीत पद्धति भारत के मद्रास प्रान्त मैसूर तथा आन्ध्र प्रदेश में प्रचलित है और उत्तरी संगीत पद्धति मद्रास प्रान्त मैसूर तथा आन्ध्र प्रदेश को छोड़कर शेष भारत में प्रचलित है। इन दोनों पद्धतियों के स्वर राग और तालों में भिन्नता पाई जाती है। दक्षिणी संगीत पद्धति में कोई स्वर कोमल नहीं होता। हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति में जैसे रागों की जातियां होती हैं उसी प्रकार दक्षिणी संगीत पद्धति में तालों की भी जातियां होती हैं अर्थात् तालों की जाति के अनुसार उसकी मात्राएं कम-ज्यादा भी होती हैं।

हर सुर में बसे हैं - 'राम'

संगीत में सुर और सुर में ईश्वर का निवास माना जाता है और शायद इसी आधार पर यह भी कहा जाता है कि 'हर सुर में बसे हैं - 'राम'। जब एकाग्र चित्त से और सच्चे मन से पूर्ण विश्वास के साथ ईश्वर को याद किया जाता है, उसे पुकारा जाता है तो वह हमारे सुर की लाज रखता है अथवा यह कह लीजिए कि वह उसे अवश्य सुनता है और सुर से प्रभावित होने पर प्रसन्न भी होता है तथा प्रसन्न होने पर ही कुछ देता है। वैसे भी 'सुर' शब्द का अर्थ देवता होता है। देवता का कार्य है - देना। वह देता ही है, लेता नहीं। इसीलिए हम उसे विभिन्न रागों के गीतों में विभिन्न नामों से पुकारते हैं और अपनी भावनाओं से अवगत करवाते हैं।

अन्त भला सो भला

जिस प्रकार किसी रोग के निवारण के लिए दवा का सेवन, उस दवा की शुद्धता पर निर्भर करता है। उसी प्रकार ईश्वर के प्रति श्रद्धा, भक्ति, भाव तथा ध्यान की एकाग्रता का होना आवश्यक होता है और इसके लिए संगीत एक अच्छा माध्यम कहा जा सकता है क्योंकि हमारे जीवन का प्रारम्भ और अन्त भी संगीत से ही होता है। अतः अन्त भला सो भला।

'स्वर सरिता' आपको नियमित भेजी जाती रही है, अब इसे निरन्तर संचालित करते रहने के लिए कृपया स्वयं प्रेरणा से सदस्यता शुल्क भिजवा कर सहयोग करें।

एक वर्ष का सदस्यता शुल्क : ₹600 छह वर्ष का सदस्यता शुल्क : ₹3000

- चैक/डी.डी. -'वीणा प्रकाशन', जयपुर (VEENA PRAKASHAN, JAIPUR) के नाम निम्न पते पर भेजें या
- बैंक ऑफ बड़ौदा, जौहरी बाजार, जयपुर के अकाउंट नं. 01150200000933 में वीणा प्रकाशन के खाते में जमा करवाएं।
- बैंक की रसीद के साथ अपना पूरा पोस्टल एड्रेस, पिनकोड एवं फोन नम्बर हमें मेल करें।

वीणा प्रकाशन

हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003 फोन - 0141-2572666, 4022623

Email-veenaprakashan@gmail.com website: veenaswarsarita.com